बी.ए. द्वितीय वर्श

जैन विद्या–प्रथम पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. जैन आचार पर विस्तार से प्रकाश डालिए। Through light on Jain Ethics.
2. श्रावक की प्रतिमाओं का वर्णन कीजिए। Describe the Layman's renunciation stages.
3. अष्ट प्रवचनमाता को स्पष्ट कीजिए। Illustrate the eightfold exercise (Ast Pravachanmata)
4. षड्‌आवश्यक का वर्णन विस्तार से कीजिए। Describe in detail the six essential.
5. संलेखना से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए। What do you mean by Sanllekhna, write in detail.
6. अनुप्रेक्षा पर विस्तार से प्रकाश डालिए। Through light in detail on Contemplation.
7. प्रेक्षाध्यान का महत्व लिखिए। Write an importance of Prekshadhyan.
8. अणुव्रत के कार्यक्षेत्र का वर्णन कीजिए। Describe the field of Anuvrata.
9. श्रमणाचार Conduct of an ascetic
10. जैन जीवन शैली Jain life style
11. 14 गुणस्थान Fourteen Gunasthan
12. नव तत्त्व Nine Realities
13. ध्यान का स्वरूप Nature of Meditation
14. अहिंसा का स्वरूप Nature of Non-violence
15. स्वस्थ समाज संरचना का आधार अणुव्रत Anuvrat, Foundation of a Healthy Society

बी.ए. द्वितीय वर्श

जैन विद्या–द्वितीय पत्र

नोट– निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Answer any three questions of the following.

1. विश्व का विकास एवं ह्रास : जैन दृष्टि Evolution and decay of universe : Jain view
2. सम्यक् दर्शन Right Faith
3. परिणामी नित्यत्ववाद Changeability cum Constant
4. कर्म के भेद–प्रभेद Divisions and sub-divisions of karma.
5. स्याद्वाद सिद्धान्त Doctorine of Syadvad
6.. आत्मा और पुनर्जन्म का सिद्धान्त Doctorine of Soul and Rebirth
7. कारण कार्यवाद का सिद्धान्त Cause and effect theory
8. कर्म का स्वरूप और बन्धन Nature of Karma & Bondage
9. जैन चिन्तन में विश्व के स्वरूप का सर्वांगीण दृष्टि से प्रकाश डालें।
   From the Jain perspective give a wholistic description of universe?
10. 'जगत और ईश्वर' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त करें।
    'Universe and God'-write your views on this topic?
11. 'रत्नत्रय समष्टि रूप में मोक्ष के साधन हैं' इस तथ्य की पुष्टि करते हुए सम्यक् दर्शन आदि पर जैन दृष्टि से विचार प्रस्तुत करें।
    "The three jewels together constitute the path of liberation," emphasizing on this write the Jain perspective regarding this subject?
12. कर्म के भेद–प्रभेदों को स्पष्ट करें।
    Write down the divisions and sub-divisions of karma.
13. कर्म की दस अवस्थाओं को स्पष्ट करें।
    Clarify the ten states of Karma?
14. सप्तभंगी सिद्धान्त के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए स्याद्वाद से इसके सम्बन्ध को दर्शायें।
    Explaining the nature fo Saptbhangi principle and depict its relation with Syadavada?
15. नय क्या है, इसे बताते हुए नय के भेदों को स्पष्ट करें?
    What is Naya? Explain its types?